

संपादकीय वसुधरा को नहीं मिलेगी राजस्थान की कमान !

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में चार महीने से भी कम का समय रह गया है। सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस व भाजपा ने भी अपना सांगठनिक बच्चा मजबूत बना लिया है। मंडल, ब्लॉक, जिला से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। कांग्रेस पार्टी चुनाव में जैंगों को पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। ऐसे में भाजपा भी जारी से चुनावी तैयारी कर रही है। भाजपा के बड़े नेता चाहते हैं कि राजस्थान में हर बार जारी बदलने की परिपारा के तहत प्रदेश में कफ बार परिष भाजपा की सकारा बना जाए। इस बार के चुनाव में भाजपा पहले से हड़कर कछ नया करने जा रही है। भाजपा द्वारा राजस्थान विधानसभा के अब तक लडे गये सभी चुनावों में पार्टी एक नेता का नाम घोषित कर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ी रही। पहली भैरविंग शेखावत राजस्थान में भाजपा के चेहरे हुआ करते थे। उनके बाद 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव में बुझुधरा राजे को नेता घोषित कर पार्टी चुनाव लड़ती रही थी। मर इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। इस बार भाजपा आलाकमान ने पूरे जारी बदलने की फैसला किया है। भाजपा इस बार राजस्थान के किसी भी नेता को पार्टी के चेहरा बदलने की चेहरे पर चुनाव लड़ेंगी। पार्टी प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ती है। इस का खुलासा प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे के दौरान संकर मीटिंग में पूरी तरह हो चुका है। भाजपा के राजीव अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा हाल ही में घोषित की गई राजीव कार्यकारिणी में बुझुधरा राजे को फिर से राजीव उपराज्यकाल बनाया गया है। यह इस बार का संकेत है कि उनको राजस्थान की राजीव द्वारा कांग्रेस राजीव नीति में सक्रिय किया जाएगा। हालांकि वसुधरा राजे पिछे लंबे से राजीव उपराज्यकाल बनी हुई है। मर उनके पास चुनाव लड़ती है। ऐसी ही जिम्मेदारी नहीं है। पिछे दिनों जरूर उनको जारी बदलने की चार लोकसभा संसदीयों पर भेजकर पार्टी के पास में प्रचार करवाया गया था। उसके अलावा उन्होंने आज तक राजीव स्तर पर किसी भी प्रकार की भूमिका नहीं निभाई है। वसुधरा राजे स्वयं राजस्थान नहीं छोड़ा चाहती है। उनके समर्थक भी चाहते हैं कि राजे प्रदेश की राजीव नीति में ही सक्रिय रहे। ताकि अलाले विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें पिछे से मुख्यमंत्री बनने के मौका मिल सके। मर भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहता है। इसलिए पार्टी ने फैसला किया है कि बिना नेता के ही चुनाव मैदान में उत्तर के चुनाव लड़ेंगे। भाजपा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ सत्ता विराजी लहर का फायदा उठकर ध्वन्याचार के मुद्दे को हवा देना चाहती है। राजस्थान में पेपर लीक प्रकरण, राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रकरण, शिक्षक भर्ती घोटाला व अन्य कई मुद्दों को हवा देकर ध्वन्याचार के मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। ऐसे में यदि भाजपा बुझुधरा राजे को चेहरा बदलकर चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस का ध्वन्याचार का मुद्दा तो समाप्त हो जाएगा। बुझुधरा राजे के आगे आते ही कांग्रेस भाजपा का हथिरय उन्होंने के खिलाफ प्रवेश में लासकी है।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किया गए अंकड़ों को देखें के पश्चात व्यापार में आता है कि भारतीय अध्यक्षव्यापा अब पर्याप्त पर तेजी से दौड़ने लगा है। परंतु, देश के मोड़ीया में भारत के अर्थव्यक्ति क्षेत्र में लगातार बन रहे हैं और किराया के जिक्र की दृष्टि से भारतीय अध्यक्षव्यापा अब विपरीत देश के रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं, गरीब अति गरीबी की श्रेणी में जा रही है, सुधा स्पृहिती की दृश्य अधिक हो रही है, खुशीवाली बढ़ रही है, हिंसा बढ़ रही है, अल्पसंख्यकों पर अल्पाचार हो रहे हैं, आदि विषयों पर विर्मार्ग गढ़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है।

भारत में खुली विभिन्न गढ़ने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, संवर्धन की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है। विविध वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से नियत भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा नियांत्र संवर्धन पौर्णपद (एस्एपीपीयी) ने यह उम्मीद जारी है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवा ओं का नियंत्रण 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती अंकड़ों के अनुसार, विकास के देश के बढ़ावा मात्राम् है अतः ग्रामीण विकास को दरिकारा करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जन जनतीय के बीच में आधिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, संवर्धन की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है। विविध वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से नियत भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा नियांत्र संवर्धन पौर्णपद (एस्एपीपीयी) ने यह उम्मीद जारी है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवा ओं का नियंत्रण 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती अंकड़ों के अनुसार, विकास के देश के बढ़ावा मात्राम् है अतः ग्रामीण विकास को दरिकारा करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जन जनतीय के बीच में आधिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, संवर्धन की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है। विविध वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से नियत भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा नियांत्र संवर्धन पौर्णपद (एस्एपीपीयी) ने यह उम्मीद जारी है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवा ओं का नियंत्रण 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती अंकड़ों के अनुसार, विकास के देश के बढ़ावा मात्राम् है अतः ग्रामीण विकास को दरिकारा करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जन जनतीय के बीच में आधिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, संवर्धन की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है। विविध वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से नियत भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा नियांत्र संवर्धन पौर्णपद (एस्एपीपीयी) ने यह उम्मीद जारी है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवा ओं का नियंत्रण 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती अंकड़ों के अनुसार, विकास के देश के बढ़ावा मात्राम् है अतः ग्रामीण विकास को दरिकारा करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जन जनतीय के बीच में आधिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, संवर्धन की इच्छा से अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है। विविध वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से नियत भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा नियांत्र संवर्धन पौर्णपद (एस्एपीपीयी) ने यह उम्मीद जारी है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवा ओं का नियंत्रण 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती अंकड़ों के अनुसार, विकास के देश के बढ़ावा मात्राम् है अतः ग्रामीण विकास को दरिकारा करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जन जनतीय के बीच में आधिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंग्रेजों के शासन काल में वी कई प्रबल के देश के खुली विभिन्न गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैकल्पिक एवं आधारिक है, भारत सपर्यों का देश हो रहा है। इसमें अपद गरीब वर्ष ही निवास करता है, खाली बदलने की इच्छा से अपद गरीब

» न्यूज गैलरी



कांवड़ यात्रा प्रारंभ

कुंडम, यशभारत। आज यात्राशाट से कांवड़ यात्रा कुंडम के लिए रवाना हुई पूर्व लक्ष्य संदीप साहू जी के सौजन्य से, सभी पार्टी बायालों का स्थान तांत्रिक वर्कडे द्वारा किया गया खामिया फैक्ट्री के पास किया स्वागत।

बंधोड़ा पुल पर बचा दोफिट पानी 6 दिनों से है आवागमन बंद



बेलखाड़ा यश भारत। 1 पिछले दिनों की झामाझम बारिश ने जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया था। नर्मदा सहित अन्य कई नदियों में जल स्तर बढ़ाये से पुलों पर पानी आ गया, जिसके कई जगह शहरों एवं गांवों का संपर्क टूट गया था। बेलखाड़ा से पानागर जाने वाले मार्ग पर बंधोड़ा पुल पर अधी धी पानी आने से बंद है आज सुबह की बुल उपर 2 पूर्व पानी था जिसके लिए को को आवागमन करने में धारी पंसेनी का सामान करना पड़ रहा है। बेलखाड़ा स्कूल आने वाले बच्चे भी स्कूल नहीं आ पा रहे वही ग्रामीणों को भी बेलखाड़ा से करीब 35 किलोमीटर का चक्रकर लगाकर आपने ग्राम पंचाना पड़ रहा है।

आदिवासी दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

गोटेंगा, यशभारत। विगत दिवस समीपवर्ती ग्राम मूंगवानी में विश्व आदिवासी दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मुख्य अंतिथ बहस्तरी सुबुद्धानंद महाराज मठ भवन समिति अध्यक्ष के पावन अंतर्गत अचल के लगभग पांच हजार लोगों ने निशुल्क मेडिकल चेकअप कर दवाइयों का लाभ दिया गया स्वास्थ्य शिविर में गैलेक्सी हॉस्पिटल एवं मेडीकल ड्राग जबलपुर के विकित्सकों द्वारा आंख, नाक, हृदय, हृदयरोग, शिलांग, महिला रोग, जोड़ों के दर्द का चेकअप कर दवाइयों की वितरण की गई। कार्यक्रम के आयोजन राजनीतिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व ग्रामवासी उपस्थित थे।

अर्द्धनगन हम नहीं सिहोरा है, लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने किया अर्धनगन प्रदर्शन



सिहोरा, यशभारत। मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा तहसील ही सिहोरा को खिलेंडित कर द्यो बना दिया और जिले की सांपूर्ण प्रक्रिया होने के बाद भी उसकी अंतिम अधिसूचना को रोक कर रखा, यह नन करना नहीं था बाया है। और इसलिए आज अर्धनगन होकर हमें सिहोरा की बातिकर क्षिति को सरकार के राजनीतिक विकास किया है। नास्तक में सिहोरा को राजनीतिक विकास किया है। यह आरोप लक्ष्य जिला आंदोलन समिति ने अपने घरना में किए जा रहे अर्धनगन प्रदर्शन में मध्य प्रदेश सरकार के ऊपर लगाया।

आंकड़े दिए पक्ष रखा

समिति के सदस्य कण्ठकुमार कुररिया ने अंतर्गत प्रदर्शन करते हुए अंकों दिए कि सिहोरा के अंतर्गत रहने वाले बरेंद्र, महोली और ढीरखेड़ा आज स्वयं तहसील हीवर्ष 2001 से 2003 के मध्य जिला

हम भगवान के दिए धन को अपना मानकर स्वयं को ही समझने लगते हैं मालिक: शंकराचार्य

गोटेंगा, यशभारत। विगत दिवस समीपवर्ती ग्रामीण स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोलेश्वर में परमायथ परमधर्माधीश उत्तरामाय ज्योतिषी त्रिवेदी चर जगदुरु परमपञ्च शंकराचार्य स्वामियों अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराजी ने अपनी अमृत मय वाणी से धर्मसंघ को संवाद दिया हुए कहाँकि सज्जनों का संग करता है जिन्होंने देव मनुष्य संस्कृत करता है उन्होंने देव सांस्कृत प्राचीनों से दूर रहता है स्वतंत्र से भन आसक्ति रहत होता है जाता है यदि भूमि रूपी बच्चन को काटना हो तो संस्कृत करता है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय के अनुरूप दिया है उन्हें देव मनुष्य संस्कृत करना होता है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है जो जीवन होता है वह महल डिग्गी से अधिक है और तीसरे एक विद्या के बदले दूसरी विद्या का विनियम करके, इसके अतिरिक्त विद्या की प्राप्ति का और कोई भी धीर्घ नहीं है आज भी जो अत्र विद्यालय

क्षेत्र में दृष्टि, बायल दिखा तेंदुआ

सिहोरा में तेंदुए का कथित वीडियो
वायरल होने के बाद मचा हड़कंप

जबलपुर यथा भारत 7 सिहोरा में बस्ती के बाहर तेंदुए के देखने के बाद कुछ लोगों ने उसका वीडियो बना लिया जो वायरल हो गया है। कथित वीडियो के वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। तो वही वन परिषेक के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं।

वीडियो में तेंदुआ बायल दिख सटे जंगल के पास बस्ती में एक रहा है इसके बाद यह अंदाजा तेंदुआ बस्ती में घुस आया लगाया जा रहा है कि तेंदुआ ने शिकार पर अटक किया था और वह भाग गया। सिहोरा वन परिषेक रेंजर बीटी पटेल ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली थी सिहोरा से है।

सरजा बीटा में है तेंदुए का कूनबा

रेंजर पटेल ने बताया कि सिहोरा परिषेक से सटे जंगल सरजा बीटा में तेंदुए का पूरा कूनबा निवास करता है। यहाँ करीब 4 तेंदुए और उनके बच्चे हैं। तेंदुए का प्रिय भोजन कूरा है जो शिकार के लिए आपास बसाहट में रहने वाले कुरों का शिकार करने आ जाते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच जारी है।